भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
04.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1597 का उत्तर

पेन रेलवे जंक्शन को अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल करना

1597. श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का प्रस्ताव मध्य रेलवे के तहत पेन रेलवे जंक्शन को अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल करने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में मध्य रेलवे के तहत रेलवे स्टेशनों को विकसित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं या उठाए जाने का प्रस्ताव है क्योंकि कुछ स्टेशनों पर भारी संख्या में लोग आते हैं और ये सबसे तेजी से बढ़ते जंक्शन बन रहे हैं;

(घ) सबसे तेजी से बढ़ते रेलवे स्टेशनों में बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

S.K

पेन रेलवे जंक्शन को अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल करने के संबंध में दिनांक 04.12.2024 को लोक सभा में श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे के अतारांकित प्रश्न सं. 1597 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): रेल मंत्रालय ने भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों में विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है।

इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्ध रूप से एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों छोरों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के सृजन की भी परिकल्पना की गई है।

इस योजना के तहत अब तक 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 132 स्टेशन महाराष्ट्र राज्य में स्थित हैं, जिसमें रायगढ़ जिले का एक स्टेशन पनवेल भी शामिल है। महाराष्ट्र राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित के गए स्टेशनों के नाम इस प्रकार हैं:

S.K

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
महाराष्ट्र	132	अहमदनगर, अजनी (नागपुर), अक्कलकोट रोड़, अकोला, आकुर्डी, अमलनेर, आमगाँव, अमरावती, अंधेरी, औरंगाबाद, बडनेरा, बल्हारशाह, बांद्रा टर्मिनस, बारामती, बेलापुर, भंडारा रोड, भोकर, भुसावल, बोरीवली, भायखला, चालीसगाँव, चंदा फोर्ट, चंद्रपुर, चर्नी रोड, छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, चिंचपोकली, चिंचवाड, दादर (डीडीआर), दादर (डीआर), दहीसर, दौंड, देहु रोड, देवलाली, धामणगांव, धरणगांव, धर्माबाद, धुले, दिवा, दुधनी, गंगाखेर, गोधानी, गोंदिया, ग्रांट रोड, हडपसर, हातकणंगले, हज़ूर साहिब नांदेड़, हिमायत नगर, हिंगनघाट, हिंगोली दक्कन, इगतपुरी, इतवारी, जलगाँव, जालना, जेऊर, जोगेश्वरी, कल्याण, कामटी, कांदिवली, कंजुर मार्ग, कराड, काटोल, केडगाँव, किनवट, कोल्हापुर, कोपरगाँव, कुर्डुवाडी, कुर्ला, लासलगाँव, लातूर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, लोनंद, लोनावाला, लोअर परेल, मलाड, मलकापुर, मनमाड, मानवत रोड, मरीन लाइन्स, माटुंगा, मिराज, मुदखेड़, मुंबई सेंट्रल, मुंब्रा, मुर्तिजापुर, नागरसोल, नागपुर, नंदगाँव, नांदुरा, नरखेड़, नासिक रोड, उस्मानाबाद, पाचोरा, पालघर, पंढरपुर, पनवेल, परभणी, परेल, परली वैजनाथ, परतूर, प्रभादेवी, पुलगाँव, पुणे जं., पूर्णा, रावेर, रोटेगांव, साईंनगर शिर्डी, सैंडहर्स्ट रोड, सांगली, सतारा, सावदा, सेलू, सेवाग्राम, शहाड, शेगांव, शिवाजी नगर पुणे, सोलापुर, तलेगांव, ठाकुर्ली, ठाणे, टिटवाला, तुमसर रोड, उमरी, उरुली, वडाला रोड, विद्याविहार, विक्रोली, वडसा, वर्धा, वाशिम, वाठार, नंदूरबार, फलटण

S.K

स्टेशनों के विकास और अनुरक्षण के लिए निधियों के आवंटन का ब्यौरा योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है। महाराष्ट्र राज्य चार जोनों यथा मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे द्वारा के अन्तर्गत आता है। इन जोनों के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आवंटन 4406 करोड़ रुपए है।

इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल पर स्टेशनों का उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत् एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है तथा इस संबंध में कार्य आवश्यकता, पारस्परिक प्राथमिकता और धनराशि की उपलब्धता के अध्यधीन किए जाते हैं। स्टेशनों के उन्नयन/आधुनिकीकरण के लिए कार्य को स्वीकृत करते और निष्पादित करते समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

*****

S.K